Inhalt

| Vom Trauma | | | 7 |
|---------------------------|--|---|-----|
| Teil I | Trauma und Bindung | | |
| | 1. | Die Psychotherapie von Extremtraumatisierten – | |
| | | Chile | 25 |
| | 2. | Mariana | 55 |
| | 3. | Setting und Übergangsraum | 67 |
| | 4. | Von der Mühsal, die eigene Ohnmacht zu nutzen | 85 |
| Teil II | Traumatische Prozesse und Gesellschaft | | |
| | 5. | Die Wahrheit der Erinnyen | 101 |
| | 6. | Das Elend mit den Flüchtlingen – | |
| | | Undankbare Opfer und ihre Helfer | 135 |
| Teil III | Die Erfindung des Traumas | | |
| | 7. | Zur Notwendigkeit eines konzeptionellen Neuanfangs | 165 |
| | 8. | Die Ferne träumen | 201 |
| | о. | Die Ferne traumen | 201 |
| Teil IV | Trauma und kulturelle Differenz | | |
| | 9. | Edel, hilfreich und gut | 221 |
| | 10. | Verflochtene Geschichten | 251 |
| Literatur | | | 303 |
| Bibliographische Hinweise | | | 311 |
| | | | |